



Skill Development Cell
Outreach & Dissemination Services Office
CSIR – Central Building Research Institute
Roorkee - 247667 (Uttarakhand)



Workshop on
‘Prevention and Control of Buildings from Harmful Trees’
October 27, 2023

A workshop on ‘*Prevention and Control of Buildings from Harmful Trees*’ was organized under the aegis of CSIR Integrated Skill Initiative on October 27, 2023. The workshop was aimed at familiarizing the participants on the latest knowledge and techniques on prevention and control of buildings from harmful trees by understanding the global problematic scenario and its effects, Herbicide treatment, Termite infestation & consequences, Preventive measures and control techniques for harmful trees etc. The workshop was attended by 23 students from various institutions.

The workshop was inaugurated by **Dr. R. Dharmaraju**, Chief Scientist & Skill Nodal, CSIR-ISI and **Dr. B.S. Rawat**, Sr. Principal Scientist in the presence of technical experts namely **Dr. T.K. Das**, Principal Scientist, ICAR-IARI and **Mr. Zakir Hussain**, AVP-QA, Rentokil PCI. During inaugural, **Dr. R. Dharmaraju** in his address has emphasized on the functioning and R&D groups of CSIR-CBRI and also highlighted the importance of transforming institute’s research & development outcomes to the end-users through skill trainings/dissemination for knowledge up-gradation. The event was coordinated by **Dr. R.K. Verma**, Sr. Principal Scientist & workshop coordinator. Initially, He welcomed the participants & dignitaries and gave brief overview of the workshop’s content and program structure by providing the introduction to favorable conditions in growing up of these unwanted and harmful trees in the vicinity of houses. Lastly, **Dr. B.S. Rawat**, proposed a heartfelt vote of thanks. During inaugural, several CSIR-CBRI scientists and technical staff namely Dr. Harpal Singh, Mr. Nadeem Ahmad, Dr. Leena Chourasia, Dr. Neeraj Jain, Er. Ashish Pippal, Dr. Chandan Meena, Dr. Banti Gedam, Er. Saksham Bhardwaj, Er. Abhinav Tyagi and others were also present.

A total of 05 lectures were presented to the participants by various CSIR-CBRI scientists and eminent experts. During the workshop, the details on the current global issues, challenges and way-forward are addressed through technical presentations, discussions and demonstration on vegetation control by translocation, physical & chemical methods etc. In the end, participants have also given their feedback and expressed the usefulness of this workshop. The workshop was thus concluded with the distribution of certificates and materials.

List of Participants

<i>S. No.</i>	<i>Name</i>	<i>Mobile No.</i>	<i>Email ID</i>
1	Ms. Preeti Rani	6398108601	ranipreeti787@gmail.com
2	Ms. Kirti Chaudhary	7037827873	kirtichaudhary2593@gmail.com
3	Ms. Muskan Gangyan	8630523376	muskangangyan@gmail.com
4	Ms. Swati	9368587901	iampoetrygirl@gmail.com
5	Ms. Jainab	8077509784	grz807750@gmail.com
6	Mr. Sahib	9639602060	zainsahib340@gmail.com
7	Mr. Arun Kumar	7983479536	arunsaini2000abc@gmail.com
8	Ms. Neha	9758430906	p9556442@gmail.com
9	Ms. Prachi Dutt	9927685474	prachidutt97@gmail.com
10	Ms. Priyanshi Sharma	6395727968	priyanshei7@gmail.com
11	Ms. Manvi Tyagi	9568058798	manvityagi798@gmail.com
12	Ms. Komal	7983100302	komalkashyap639@gmail.com
13	Ms. Supriya Saini	8650068542	supriyasaini2003@gmail.com
14	Ms. Shaily Negi	8006040279	shailynegi912@gmail.com
15	Ms. Shruti Bhatt	7302080954	shrutishruti88161@gmail.com
16	Ms. Dixita Tyagi	8077483098	tyagi11garima@gmail.com
17	Mr. Anam	9548282871	annugada62@gmail.com
18	Ms. Neetu	9520232231	neetudhiman8791@gmail.com
19	Ms. Riya Singh	9045955143	ajeetsingh1990aaaa@gmail.com
20	Ms. Akansha Rathore	9528664150	akanksharathorea916@gmail.com
21	Mr. Prateeksh Verma	9045829077	prateeksh.verma@gmail.com
22	Ms. Deepanshi	9027974902	deepanshipal87@gmail.com
23	Ms. Sahiba Sabri	8126414416	sahibasabri48@gmail.com

Glimpses of the Training Programme



Inaugural Ceremony



Group of Participants



View of Participants



Technical Session & Certificate Distribution

भवनों में उगे अवांछित पौधों की रोकथाम के लिए अपनाएं नवीनतम तकनीक

जागरण संवाददाता, रुड़की : केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) रुड़की में भवनों में उगे अवांछित हानिकारक पेड़-पौधों की रोकथाम एवं नियंत्रण को लेकर कौशल विकास कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य इमारतों को कमजोर होने एवं नुकसान पहुंचाने से बचना है। इसमें विभिन्न संस्थानों से 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

शुक्रवार को संस्थान में कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य विज्ञानी डा. आर धर्मराजु ने किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि भवनों में उगे अवांछित पेड़-पौधों की रोकथाम के लिए नवीनतम तकनीकों को अपनाया जाना चाहिए। अवांछित व हानिकारक पेड़-पौधों का मतलब है, वह पेड़-पौधे जो मनुष्य द्वारा विकसित नहीं हैं। यह प्राकृतिक वातावरण से स्वयं पोषक तत्व लेकर उग सकते हैं। इनका भवनों में उगना, तापमान, नमी, पोषक तत्व, बिल्डिंग मैटीरियल



सीबीआरआई रुड़की में भवनों में उगे अवांछित/ हानिकारक पेड़-पौधों की रोकथाम एवं नियंत्रण को लेकर कौशल विकास के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। * साप्ताहिक-संस्था

और दीवारों एवं छतों में आई क्रैक पर निर्भर करता है। कार्यशाला समन्वयक डा. राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण के रक्षक होने के साथ उनको स्वच्छ भी बनाते हैं। इनके बिना कोई भी अपने जीवन की संभावना नहीं कर सकता है। लेकिन, यह भवनों की दीवारों एवं छतों में उगकर अत्यधिक नुकसान पहुंचाते

हैं। बताया कि वर्तमान में भवनों में उगे पेड़ पौधों की रोकथाम के लिए कोई प्रोडक्ट बाजार में उपलब्ध नहीं है। जिसका जल्दी विकास किया जाना चाहिए। ऐतिहासिक तथा माडर्न इमारतों में हानिकारक पीपल, बरगद, गूलर आदि बहुत जल्दी बढ़े हो जाते हैं। जो कुछ सालों के बाद इमारतों की दीवारों पर दरारें उत्पन्न करके विशाल

रूप में परिवर्तित हो जाते हैं। यदि इन पेड़ों को जल्दी नहीं हटाया जाता है तो पूरी दीवार गिर जाने का खतरा बना रहता है। कार्यशाला में विशेषज्ञ डा. टीके दास, डा. बीएस रावत, जाकिर हुसैन, डा. लीना चौरसिया, डा. नीरज जैन, सुनीता रानी, डा. चन्दन मोना, डा. आशीष पिण्णल, डा. पूजा धीमान, नीलू तोमर आदि उपस्थित रहे।

देहरादून, हरिद्वार, रुड़की, ऋषिकेश, एवं अन्य

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

सीबीआरआई में भवनों में उगे अवांछित पेड़-पौधों की रोकथाम हेतु कार्यशाला का आयोजन



* मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। सीबीआरआई अरुणोदी और आई में भवनों में उगे अवांछित, हानिकारक पेड़-पौधों की रोकथाम एवं नियंत्रण पर केडिट 27 अक्टूबर को एक दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य भवनों में उगे अवांछित, हानिकारक पेड़-पौधों की रोकथाम एवं नियंत्रण कर इमारतों को कमजोर एवं नुकसान पहुंचाने से बचना है। इस कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. आर. धर्मराजु, चीफ साइटिस्ट, सीबीआरआई ने किया। उन्होंने सीबीआरआई के सभी रिसर्च ग्रुप के द्वारा किये जाने वाली कार्यों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला तथा उन्होंने बताया कि भवनों में उगे अवांछित पेड़-पौधों की रोकथाम हेतु नवीनतम तकनीकों को अपनाया जाना चाहिए। अवांछित, हानिकारक पेड़-पौधों का मतलब है, वह पेड़-पौधे जो मनुष्य द्वारा विकसित नहीं

हैं। यह प्राकृतिक वातावरण से स्वयं पोषक तत्व लेकर उग सकते हैं। इनका भवनों में उगना तापमान, नमी, पोषक तत्व, बिल्डिंग मैटीरियल और दीवारों एवं छतों में आये क्रैक पर निर्भर करता है। कार्यशाला कोऑर्डिनेटर डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने कार्यशाला के संस्थान के दौरान बताया कि पेड़-पौधे ही पर्यावरण के रक्षक होने के साथ उनको स्वच्छ भी बनाते हैं। इनके बिना कोई भी अपने जीवन की संभावना नहीं कर सकता है। परन्तु वह भवनों की दीवारों एवं छतों में उगकर अत्यधिक नुकसान पहुंचाते हैं। वर्तमान में भवनों में उगे पेड़ पौधों की रोकथाम के लिए कोई प्रोडक्ट बाजार में उपलब्ध नहीं है जिसका जल्दी से जल्दी विकास किया जाना चाहिए। ऐतिहासिक तथा माडर्न इमारतों में हानिकारक पीपल, बरगद, गूलर आदि बहुत जल्दी बढ़े हो जाते हैं जो कि कुछ सालों के बाद इमारतों की दीवारों पर दरारें उत्पन्न करके विशाल रूप में परिवर्तित हो जाते हैं। यदि इन

पेड़ों को जल्दी से जल्दी नहीं हटाया जाता है तो पूरी दीवार गिर जाने का खतरा बना रहता है। डॉ. बीएस रावत ने सभी का आभार जताया। कार्यशाला में विशेषज्ञ डॉ. टीके दास, प्रो. एवं विरिपल साइटिस्ट आईसीआरआई-आईएआरआई दिल्ली, जाकिर हुसैन, जी. एम., एन्टीकील पीसीआई, दिल्ली, डॉ. आर धर्मराजु, डॉ. बीएस रावत, डॉ. लीना चौरसिया, डॉ. नीरज जैन, सुनीता रानी, डॉ. चन्दन मोना, डॉ. आशीष पिण्णल डॉ. पूजा धीमान एवं नीलू तोमर आदि उपस्थित थे। कार्यशाला के दौरान 3 तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों की टीम द्वारा 4 व्याख्यान तथा 1 प्रैक्टिकल डेमोस्ट्रेशन दिये गये। इस कार्यशाला में विभिन्न शिक्षा संस्थानों से 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उम्मीद है कि इस कार्यशाला ने भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करके भवनों में उगे अवांछित, हानिकारक पेड़-पौधे की रोकथाम कर सके।

Media Coverage